प्रगति रिपोर्ट 2020–2021

सर्व सेवा संस्थान

नवरतनपुर,नवानगर–बलिया(उ0प्र0)

सर्व सेवा संस्थान, नवरतनपुर, नवानगर–बलिया(उ0प्र0) सोसाइटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 के तहत एक पंजीकृत संस्थान है। सत्र 2020–21 में समाज के स्वंय सेवकों तथा सरकारी, गैर सरकारी संगठनों से सहयोग एवं समन्वय स्थापित कर समाज के अपवंचित तथा दिव्यांगजनों हेतु शिक्षण–प्रशिक्षण एवं उत्थान हेतु अपने निश्चित संसाधनों के अन्तर्गत यथा सम्भव प्रयास किया ।

1. विशेष विद्यालय :–वर्ष 2020–2021 में संस्थान द्वारा 17 दिव्यांग बच्चों एवं अपवंचित वर्ग के गरीब लड़कियों की पहचान एवं मूल्याकन कर उनके स्तर तथा उम्र के अनुसार विभाजित करके प्री–प्राइमरी, प्राइमरी, सेकण्डरी, प्री–वोकेशनल, वोकेशनल एवं कौशल प्रशिक्षण कक्षाओं में प्रवेश करके शिक्षण–प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया। जिसमें कुल 60 बच्चें शिक्षण–प्रशिक्षण एवं कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।
2. जागरूकता अभियान :– संस्था द्वारा माह जुलाई में एक सप्ताह तक जागरूकता अभियान जलाया गया। क्षेत्रीय ग्राम सभा में घर–घर जाकर

क्षेत्रीय लोगों को दिव्यांगता के बारे में जानकारी दी गयी कि दिव्यांगता किन–किन कारणों से होती है तथा इन्हें किस प्रकार रोका जा सकता है। दिव्यांग लोगों को किस प्रकार से समाज से जोड़ा जा सकता है और उन्हे सिलाई कढ़ाई, पेंटिग, ब्युटीशयन जैसे कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

3. स्वतंत्रता दिवस :– संस्थान द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्थानीय ग्रामीण क्षेत्र में दिव्यांगजनों के प्रति जागरूकता अभियान की रैली निकाल कर लोगों को दिव्यांग बच्चों के शिक्षण–प्रशिक्षण एवं कौशल विकास हेतु संस्थान द्वारा संचालित ''सर्व सेवा विशेष विद्यालय'' एवं कौशल प्रशिक्षण केन्द्र में दाखिला हेतु प्रेरित किया गया।

4. रक्षाबन्धन त्योहार : 03 अगस्त 2020 को सर्व सेवा विशेष विद्यालय के दिव्यांग छात्रों ने दिव्यांग छात्र को राखी बाधकर व मिठाई खिलाकर रक्षाबन्धन का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया।

5. कृष्णजमाष्टमी : 11 अगस्त 2020 को सर्व सेवा विशेष विद्यालय के दिव्यांग छात्रों ने कृष्ण जी और राधा रानी जी के पोसाक पहनकर व उनके भेश भूषा सज स्वरकर और पुजा अचर्ना करते हुए कृष्णजमाष्टमी मनाये।

6. शिक्षक दिवस :– वर्ष 2020 में 5 सितम्बर को संस्था द्वारा शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विद्यालयों से 10 शिक्षक सम्मिलित हुए। इस अवसर पर विशेष शिक्षा के विशेषज्ञों द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के शिक्षण–प्रशिक्षण एवं उनके कौशल विकास पर चर्चा–परिचर्चा किया गया कि हमें इन बच्चों के साथ कक्षा–कक्ष में किस प्रकार से शिक्षण–प्रशिक्षण करना होता है और किस प्रकार के कौशल प्रशिक्षण देकर हम दिव्यांगजनों को समाज के मुख्यधारा से जोड़ सकते है।

7. गॉधी जयन्ती :– गॉधी जयन्ती के उपलक्ष अवसर पर संस्था द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें संस्था के स्थानीय क्षेत्र के आस–पास गन्दगी को साफ किया गया। इस अभियान में क्षेत्र के ग्राम प्रधान भी सरीक हुए। प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार गॉधी जयन्ती को स्वच्छता से जोड़ कर इस अवसर को विशेष बनाया गया।

8. विश्व विकलांगता दिवस का आयोजन :– 3 दिसम्बर 2018 को विश्व विकलांग दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कि शुरूआत दिव्यांग बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत कर के किये जिसमें विशिष्ठ व्यक्तियों की उपस्थिति में दिव्यांगजनों के समस्याओं के समाधान पर चर्चा–परिचर्चा किया गया। विशिष्ट व्यक्तियों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किये।

9. बाल दिवस :– बाल दिवस के अवसर पर संस्थान द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प0ं जवाहरलाल नेहरू के कृतित्व को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने तथा अध्यापकों को बच्चों हेतु नेहरू जी की सोच के अनुसार कार्य करने हेतु उत्प्रेरित किया गया।

10. गणतंत्र दिवस :– 26 जनवरी को संस्थान के प्रॉगण में देश की स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। देश के सभी वीर शहीद जवानों को श्रद्धान्जली देते हुए देश के आजादी में उनके योगदान तथा उतकृष्ट कार्यों ने देश को स्वतंत्र रूप से जीने का हक दिलाये।

11. सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम :– संस्थान द्वारा सामुदायिक पुनर्वास कार्यक्रम के तहत गाजीपाकड, उसरी, खरीकही, कैलानी ग्राम कोचयनित किया गया। ग्राम में पाये गये 08 बौद्धिक अक्षम, 06 श्रवण बाधित, 04 अस्थि बाधित दिव्यांगजनों का पुनर्वास बहुआयामी दल के साथ–साथ विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित कर कराया गया।

12. जॉच सिविर :– सर्व सेवा संस्थान, नवरतनपुर, नवानगर, बलिया (उ0प्र0) द्वारा 11 अप्रैल 2021 को एक दिवसीय निःशुल्क श्रवण जॉच व परामर्श

शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 20 दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों कि कान जॉच, 25 बच्चों की स्पीच से सम्बन्धी तथा 50 व्यक्तियों को बोलने व भाषा सम्बन्धी कारणों तथा बचाव सम्बन्धी सुक्षाव दिये गये।